पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

धनुष से अफेयर की खबरों पर मृणाल ठाकुर की सफाई

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 | अंक : 137 | बुधवार, 13 अगस्त 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com FOLLOW US Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

बारवी डैम हुआ लबालब

97.83%

पानी बारी डैम में जमा

■ **कभी भी हो सकता है ओवरफ्लो...**

इन गांवों से सतर्क रहने की अपील

बारवी नदी के किनारे बसे आसनोली, चांदप, चांदपपाड़ा, पिंपलोली, सागांव, पाटिलपाड़ा, पादीरपाड़ा, कारंद, मोरयाचापाड़ा, चोण, राहटोली, आधानवाड़ी, फणसवाड़ी, वाकडचिवाड़ी और अन्य क्षेत्रों के नागरिकों से नदी के किनारे के इलाकों में जाने से बचने की अपील की गई है। पानी का प्रवाह अचानक बढ़ सकता है, इसलिए एमआईडीसी प्रशासन ने पर्यटकों, तैराकों, मछुआरों और नदी किनारे जाने वाले सभी लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

अंबरनाथ. ठाणे जिले का प्रमुख जलस्त्रोत बारवी बांध लगभग भर गया है और जिले को जलापूर्ति के मामले में बड़ी राहत मिली है। महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर 12 बजे बारवी बांध का जलस्तर 72.40 मीटर तक पहुँच गया था। इसका मतलब है कि बांध में वर्तमान में 97.83 प्रतिशत जलभराव है।

बांध का अधिकतम स्तर (ओवरफ्लो लेवल) 72.60 मीटर है। बारिश की मात्रा बढ़ने और अगर बारिश जारी रहती है, तो अगले कुछ घंटों में बांध अपनी पूरी क्षमता तक भर जाने की संभावना है। बारवी बांध जब पूरी क्षमता तक भर जाता है, तो उसके स्वचालित द्वार अपने आप खुल जाते हैं। इसके बाद बांध से पानी का निकास शुरू हो जाता है।

ठाणे जिले की प्यास बुझाने वाले बारवी बांध के भरने पर जिले की निगाह है। नागरिक उपयोग के साथ-साथ, बारवी बांध का पानी औद्योगिक उपयोग के लिए भी उपयोग किया जाता है। बारवी बांध से छोड़े गए पानी को आप्टी बांध के पास से उठाकर जांभुल स्थित जल शोधन केंद्र में ले जाया जाता है। वहाँ, इसे संसाधित करके पाइपलाइनों के माध्यम से शहरों और उद्योगों तक पहुँचाया जाता है। इसलिए, बारवी बांध को पूरी क्षमता तक भरना आवश्यक है। इस वर्ष, बारवी बांध मई में ही भरने लगा था। वाष्पीकरण काल के दौरान, बांध में पानी जमा होने लगा था। इसलिए, उम्मीद थी कि इस वर्ष बांध जल्दी भर जाएगा। हालाँकि, मई और जून की बारिश के बाद, जुलाई के अंत में बारिश रुक गई। उसके बाद, यह कम मात्रा में हुई। इसके कारण, बारवी बांध के भरने की गति धीमी हो गई है।

अब, बारवी बांध अपनी क्षमता का 97.83 प्रतिशत भर चुका है। एमआईडीसी प्रशासन ने एक पत्रक के माध्यम से जानकारी दी है कि मंगलवार दोपहर 12 बजे बांध का जलस्तर 72.40 तक पहुँच गया। इसलिए, अगर बारिश जारी रही, तो बांध से कभी भी पानी छोड़ा जा सकता है। बारवी बांध में स्वचालित द्वार लगाए गए हैं। इसलिए, अगर पानी अपनी पूरी क्षमता तक पहुँच जाता है, तो उसका निकलना अपने आप शुरू हो जाता है। इसलिए, मंगलवार को बारवी बांध विभाग के कार्यपालक अभियंता दुष्यंत उइके ने एक पत्र जारी कर आसपास के गांवों को चेतावनी दी है।

गणपति दर्शन के लिए टिटवाला में उमड़े श्रद्धालु

कल्याण. अंगारकी चतुर्थी के अवसर पर मंगलवार को टिटवाला स्थित श्री सिद्धिविनायक मंदिर और डोंबिवली स्थित महागणपति मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। टिटवाला में सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं के लिए श्री सिद्धिविनायक के दर्शन खोल दिए गए। सिद्धिविनायक के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु टिटवाला पहुँचे। 21 वर्षों के बाद श्रावण मास में अंगारकी चतुर्थी आई है। इसलिए इस अंगारकी का विशेष महत्व है। श्रावण मास में व्रत और उसी में पड़ने वाली अंगारकी चतुर्थी के कारण इसे एक उत्सव मानकर राज्य के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु सिद्धिविनायक के दर्शन के लिए टिटवाला पहुँचे।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर प्रबंधन समिति ने श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए मंदिर क्षेत्र में दर्शन कतार के रूप में तीन सौ स्वयंसेवकों की एक टुकड़ी तैनात की। इसके अलावा, टिटवाला पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी. मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के वाहनों के कारण लगने वाले जाम को रोकने के लिए मंदिर क्षेत्र में पार्किंग स्थल को बंद कर दिया गया।

मंदिर प्रबंधन ने वाहन से आने वाले श्रद्धालुओं को पहले ही निर्देश दे दिए हैं कि वे अपने वाहन मंदिर से दूर खुले स्थानों, पार्किंग स्थलों और सड़क किनारे पार्क करें। डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु टिटवाला में दर्शन किए.

कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

कल्याण. शहाड़ में सीमेंट सड़क के कंक्रीट कार्य का शिलान्यास शिवसेना शिंदे गुट के जिला प्रमुख अरविंद मोरे और कल्याण पश्चिम विधायक विश्वनाथ भोईर की उपस्थिति में हुआ। कल्याण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ भोईर के हर वार्ड की सड़कों का सीमेंटीकरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में, शहाड़ स्टेशन रोड स्थित अंबर होटल से गणेश कोट कार्यालय तक की सड़क का सीमेंटीकरण किया जाएगा। स्थानीय पूर्व नगरसेवक गणेश कोट ने इस पर काम शुरू कर दिया है। विधायक विश्वनाथ भोईर ने तुरंत धनराशि उपलब्ध कराई और सड़क के कंक्रीट कार्य का शिलान्यास किया। नागरिकों ने विधायक विश्वनाथ भोईर का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शाखा प्रमुख कैलाश ढोणे, सुनील भोईर, ग्राम प्रमुख राजेश भंडारी, नितिन कोट, संतोष काशेलकर, यूनुस शेख, शिवसेना पदाधिकारी, शिवसैनिक, नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

उल्हासनगर में गड्ढों के मुद्दे पर भाजपा आक्रामक

■ **आयुक्त के खिलाफ भाजपा विधायक करेंगे प्रदर्शन**

■ **मनपा के बाहर करेंगे भूख हड़ताल**

शिकायतों की बौछार

विधायक कुमार आयलानी का कहना है कि पिछले कई दिनों से मैं शहर में गड्ढों की समस्या को लेकर आयुक्त से मिल रहा हूँ और उन्हें फोन करके शिकायतें कर रहा हूँ। मुझे हर दिन शहर से बड़ी संख्या में शिकायतें मिलती हैं। मुझे गड्ढों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं और चोटों की शिकायतें मिलती हैं। हालाँकि, आयुक्त इसे लेकर गंभीर नहीं दिखती। विधायक कुमार आयलानी ने चेतावनी दी है कि अगर अगले सात दिनों में शहर में गड्ढे नहीं भरे गए तो मैं महानगर पालिका के बाहर विरोध प्रदर्शन करूंगा।

उल्हासनगर. राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 100 दिवसीय कार्यालय सुधार कार्यक्रम में उल्हासनगर नगर आयुक्त मनीषा आव्हाले को सम्मानित किया था। अब देवेंद्र फडणवीस के भाजपा विधायक ने उसी आयुक्त के खिलाफ आक्रामक मूड में हैं. भाजपा विधायक कुमार आयलानी ने मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले को चेतावनी दी है कि अगर अगले सात दिनों में शहर के गड्ढे नहीं भरे गए तो वह मनपा के बाहर भूख हड़ताल पर बैठेंगे। इस चेतावनी के बाद उन्हें शहर से समर्थन के साथ-साथ आलोचना भी मिल रही है।

उल्हासनगर मनपा क्षेत्र एक व्यावसायिक क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। इस शहर का 60 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र व्यावसायिक है। शहर में विभिन्न वस्तुओं के निर्माण हेतु छोटे-बड़े कारखाने, उन्हें बेचने व भंडारण करने वाली दुकानें और गोदाम हैं। लाखों नागरिकों को रोजगार प्रदान करने वाला यह व्यावसायिक शहर, ज़िले और आसपास के ज़िलों के लिए एक वरदान है। हालाँकि, पिछले कुछ दिनों से उल्हासनगर शहर की सड़कें गड्ढों से ग्रस्त हैं। शहर में गड्ढों की संख्या बहुत बढ़ गई है, जिसका असर शहर के व्यापार पर भी पड़ रहा है। इससे व्यापारियों और नागरिकों में रोष का माहौल है।

गणेशोत्सव की पृष्ठभूमि में हज़ारों ग्राहकों और व्यापारियों के शहर में आने की संभावना है। हालाँकि, यहाँ की भीड़भाड़ और सड़कों के कारण ग्राहक भी इस शहर से मुँह मोड़ते नज़र आ रहे हैं। इससे व्यापारियों में बेचैनी है। शहर के गड्ढों को भरने के लिए विभिन्न राजनीतिक दल तरह-तरह के आंदोलन कर रहे हैं। हालाँकि, गड्ढे भरते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं। महानगरपालिका ने मास्टिंग कार्य के लिए निविदाएँ आमंत्रित कीं और काम शुरू किया। हालाँकि, इसका कोई असर होता नहीं दिख रहा है। इसलिए, पिछले कई दिनों से चुप बैठे सत्ताधारी दल के विधायकों और पदाधिकारियों ने मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी है।

शहर में गड्ढों को भरने का कार्य शुरू - आयुक्त

■ **गड्ढों को भरने के लिए करोड़ों का निधी मंजूर**

■ **ठेकेदार होंगे गड्ढों की मरम्मत के जिम्मेदार- आयुक्त**

उल्हासनगर. शहर के नागरिक बारिश के कारण सड़कों की खस्ता हालत से परेशान है। आगामी त्योहारी सीजन और गणेशोत्सव की पृष्ठभूमि में, सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की मांग जोर पकड़ रही है। इसी को देखते हुए उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त मनीषा आव्हाले ने गड्ढों को भरने के लिए एक आधुनिक अभियान शुरू किया है। इस कार्य के लिए मनपा ने करोड़ों रुपये की निधी मंजूर की है, और शहर की कई मुख्य सड़कों पर गड्ढों को मास्टिक डांबर विधि से भरा जा रहा है। इस तकनीक में, डांबर को 200 सेल्सियस के तापमान पर पिघलाया जाता है और सीधे गड्ढों में डाला जाता है, जिससे सड़कें अधिक टिकाऊ मानी जाती हैं। आयुक्त के निर्देशानुसार, कल से इस कार्य ने गति पकड़ ली है और कई प्रमुख सड़कें पहले ही गड्ढा मुक्त हो चुकी हैं। महानगरपालिका आयुक्त मनीषा आव्हाले ने बताया कि अब से जिन ठेकेदारों को सड़क का काम दिया जाएगा, वे सड़कों पर दिखाई देने वाले गड्ढों के लिए जिम्मेदार होंगे और इन सड़कों को मास्टिक डांबर से भरने के आदेश दिए गए हैं। यह पहल शहर के नागरिकों के लिए राहत भरी होगी और त्योहारी सीजन के दौरान यातायात को सुचारू बनाने में मदद करेगी। ज्ञात हो कि शहर में शर्म करो गड्ढों भरो अभियान की शुरुवात हुई थी उसके बाद भाजपा ने भी आंदोलन की चेतावनी दी थी जिसके बाद प्रशासन की आंखें खुली और सड़कों के काम की शुरुवात हो रही है।

रिक्शा पलटने से चालक और यात्री घायल

उल्हासनगर. रिक्शा पलटने से हुई दुर्घटना में एक रिक्शा चालक और यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका सेंट्रल अस्पताल में इलाज चल रहा है। रिक्शा चालक कैलास साठे उल्हासनगर कैंप 4 स्थित सुभाष टेकड़ी में रहते हैं।

ज्योति बोबड़े और दो अन्य यात्री उनकी रिक्शा में बैठे थे। दोपहर करीब 12 बजे रिक्शा लालचक्की से यात्रियों को लेकर वीनस की ओर जा रहा था। तभी एक अन्य रिक्शा सामने आ गया और उसने ब्रेक लगा दिए। जिससे कैलास का रिक्शा पलट गया। सड़क किनारे जा रहे रिक्शा चालक भगवान गीते ने सतर्कता दिखाते हुए दोनों घायलों को तुरंत सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया। इस दुर्घटना में कैलास साठे और ज्योति बोबड़े गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। साठे का रिक्शा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

दहेज के मामले में पति ने चोपड़ा कोर्ट के बाहर की पत्नी की पिटाई

उल्हासनगर. पत्नी द्वारा अपने पति और परिवार के खिलाफ दहेज का मामला दर्ज कराने से नाराज पति ने चोपड़ा कोर्ट के बाहर एक अन्य महिला की मदद से अपनी पत्नी की जमकर पिटाई की। पिटाई में पत्नी की रीढ़ की हड्डी टूट गई. उल्हासनगर कैंप क्रमांक-1, रमाबाई अंबेडकरनगर में रहने वाले जितेंद्र भगवानजी चौहान की प्रिया से कुछ साल पहले शादी हुई थी। शादी के बाद से ही प्रिया के पति और ससुराल वालों ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया था। प्रिया की शिकायत के आधार पर उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में उसके पति और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इस संबंध में चोपड़ा कोर्ट में मामला चल रहा है। अपने और अपने परिवार के खिलाफ मामला दर्ज होने से नाराज जितेंद्र चौहान, लकीता वाघेला और एक अज्ञात महिला ने सोमवार को कोर्ट परिसर के बाहर प्रिया के पास आकर उसकी जमकर पिटाई कर दी।

अंबरनाथ के नए पादचारी पुल की गंदगी कौन साफ करेगा?

■ **रेल प्रशासन या नगर परिषद**

अंबरनाथ. अंबरनाथ का पादचारी पुल इन दिनों गंदगी का शिकार हो गया है. दो महिने पहले इस नए पुल को शहर पूर्व से पश्चिम को जाने आने वालों के लिए खोल दिया गया था. यहां पर गंदगी बहुत ज्यादा बढ़ गई है. खाने की चीजें, कचरा एवं कुत्तों द्वारा किए गए शौच की गंदगी से पुल पर बदबू फैल गई है. लोगों ने पान की पिचकारी मारकर पुल पर बिठाए गए किनारों के कांच को लाल कर दिया है. आज दो महिने हो गए हैं. मध्य रेलवे या नगर परिषद प्रशासन द्वारा झाड़ू तक नहीं दिया गया है. इस पादचारी पुल से शहर पूर्व और पश्चिम के लोग आते-जाते हैं. रेल प्लेटफार्म पर अथवा टिकट काउंटर पर जाने की सुविधा अब तक शुरू नहीं की गई है. पुराने पादचारी पुल से प्लेटफार्म, टिकट घर पर जाया जा सकता है. रेलवे ने इस पादचारी पुल सो शहरवासियों की सुविधा के लिए निर्माण किया है. रेल प्रशासन साफ सफाई, स्वच्छता पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है. ना ही अंबरनाथ नपा प्रशासन का स्वच्छता पर ध्यान है. अब प्रश्न ये उठाया जा रहा है कि इस पादचारी पुल पर की गंदगी को कौन साफ करेगा? सीढ़ियों पर भी कचरा पड़ा हुआ है. नगर परिषद स्वच्छता विभाग को इस तरफ ध्यान देकर पादचारी पुल पर की गंदगी और कचरे को साफ करना चाहिए. क्योंकि केवल शहरवासी ही इस पुल का उपयोग कर रहे हैं. गंदगी और बदबू बढ़ जाने से शहरवासियों का स्वास्थ्य धोखे में आ गया है.

उल्हासनगर में धोखाधड़ी का चौंकाने वाला मामला

■ **फर्जी पुलिस वाले ने की ठगी**

उल्हासनगर. उल्हासनगर में धोखाधड़ी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दो अज्ञात व्यक्तियों ने खुद को 'पुलिस' बताकर एक 59 वर्षीय नागरिक को बस से उतारकर रिक्शा में बिठा लिया और उनकी सोने की अंगूठी धोखे से ठग ली. इस मामले ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है।

खुद को 'पुलिस' बताकर धोखाधड़ी का चौंकाने वाला मामला 8 अगस्त की रात विट्ठलवाड़ी पुलिस थाने की सीमा में हुआ। तुकाराम चंद्रकांत कदम (उम्र 59) वीनस चौक से खेमानी मार्ग जा रही बस में यात्रा कर रहे थे। इस दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को पुलिस वाला बताकर उन्हें बस से उतार दिया. इसके बाद एक अन्य व्यक्ति ने एक रिक्शा रोका और कदम को उसमें बिठा लिया। जिसके बाद उन्होंने लालचक्की चौक, कालीमाता चौक, संभाजी चौक, भाटिया चौक और कैलास कॉलोनी जैसे विभिन्न स्थानों पर रिक्शा चलाकर कदम से बात की। अंत में, आरोपियों ने उनके हाथ से सितारों वाली 4 ग्राम सोने की अंगूठी उतार ली और भाग गए। इस घटना के बाद, सहमे तुकाराम कदम ने तुरंत विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश जारी है और सहायक पुलिस निरीक्षक कुलकर्णी के मार्गदर्शन में इस अपराध की जाँच चल रही है।

एक दिन में 15 पुलिसकर्मियों का निलंबन शर्मनाक!

ठाणे. ठाणे पुलिस आयुक्तालय में एक ही दिन में 15 पुलिसकर्मियों का निलंबित होना बेहद शर्मनाक है। हमने गंभीर अपराधों के लिए सख्त कानून बनाए हैं। लेकिन भ्रष्ट व्यवस्था उन्हें सख्ती से लागू करने में नाकाम साबित हो रही है। जब कोई गंभीर अपराध होता है, तो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाता है। लेकिन अगर उन आरोपियों के पास पैसा हो, तो वे जेल में भी सब कुछ संभाल सकते हैं। जब कोई अपराध उजागर होता है, तो मीडिया से लेकर विपक्ष तक, हर कोई उस पर ध्यान देता है। महीने-15 दिन में जब नए अपराध होते हैं, तो पिछले अपराधों से ध्यान भटक जाता है। यहीं से भ्रष्ट व्यवस्था अपराधियों को शह देना शुरू कर देती है। जब आरोपियों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ दिखाई देती हैं, तो उन्हें मेडिकल जाँच के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया जाता है।

धोखाधड़ी के मामले में दो आरोपियों, करण धबालिया और राजेशभाई पाम्बर को भी कलवा अस्पताल में जाँच के लिए जेल से बाहर लाया गया। दरअसल, एक पुलिस अधिकारी ने दोनों के लिए एक होटल में शराब पार्टी का आयोजन किया था। इसकी भनक लगते ही ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे ने अचानक एक अधिकारी को जाँच के लिए भेजा और पाया कि 7 में से केवल 5 आरोपी ही कलवा अस्पताल में थे। परिणामस्वरूप, नौ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

करोड़ों रुपये की ठगी करके जेल प्रशासन और पुलिस बल में भ्रष्ट समूहों को पैसा बाँटने और जेल में ऐशो-आराम से रहने की यही कार्यशैली है। पुलिस ने इस पार्टी के आयोजन के लिए इन दोनों से आसानी से डेढ़ से दो लाख रुपये ऐंठ लिए होंगे। हो सकता है कि यह पुलिस बल के कुछ लोगों का एक गिरोह हो जो महीने में चार-पाँच बार ऐसी पार्टियों या मनोरंजन के लिए अलग-अलग कैदियों की मदद करते हैं और पाँच से दस लाख रुपये का मुनाफ़ा कमाते हैं। कुछ समय के लिए निलंबित रहने के बाद, वे राजनीतिक नेताओं के दबाव में वापस सेवा में आ जाते हैं और वही धंधा करते हैं, कुछ पुलिसकर्मियों का यही तरीका हो सकता है।

भिवंडी कोर्ट में पेशी पर लाए गए बलात्कार के मामले के आरोपी के पुलिस को चकमा देकर फरार होने के बाद छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। अब क्या आरोपी वाकई पुलिस को चकमा देकर भाग निकला या फिर उसने यहाँ भी पुलिस के हाथ गीले किए, ये तो जाँच से ही पता चलेगा।

पुलिस हिरासत हो या न्यायिक हिरासत; गांजा, शराब, मोबाइल फ़ोन से लेकर सब कुछ आरोपियों तक पहुँचता है। बस इन हर 'सेवा' की मोटी कीमत चुकाने को तैयार रहिए, ये सड़ी हुई व्यवस्था है। यही भ्रष्ट व्यवस्था चार्जशीट में कच्ची कड़ियाँ रखती है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से गवाह तोड़ने में मदद करती है। इसलिए, सात से दस साल बाद ऊपरी अदालत से आरोपी रिहा हो जाते हैं, जब बेदाग़ होकर बाहर आते हैं, तो जुलूस निकालते हैं, अपराध करते हैं। जिनके पास ज़मानत के पैसे भी नहीं होते, वो सालों जेल में सड़ते हैं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

चीनी मांझा

रंग-बिरंगी पतंगें उड़ा कर लोग खुश होते हैं, लेकिन जिस चीनी मांझे के सहारे ये उड़ाई जाती हैं, वह कई निर्दोष नागरिकों और मासूम पक्षियों के लिए मौत की डोर से कम नहीं साबित हो रहीं। पतंगबाजी के रोमांच के अब आए दिन जानलेवा होने तक की खबरें आ रही हैं। बावजूद इसके स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अधिकतर लोग चीनी मांझे से पतंग उड़ाते हैं। दरअसल, प्लास्टिक और धातु का मिश्रण होने से यह मांझा इतना धारदार बन जाता है कि इससे उलझ कर हर वर्ष कितने ही पक्षियों की मौत हो जाती है।

कई लोग जख्मी हो जाते हैं। इससे कई लोगों की जान जाने की खबरें भी आ चुकी हैं। सवाल है कि तमाम प्रतिबंध के बावजूद ये मांझे लोगों को मिल कैसे जाते हैं! जबकि हर वर्ष लोगों को संचार माध्यमों से जागरूक किया जाता है। इसके जोखिम के मद्देनजर कई बार अदालतों से आदेश जारी हुए हैं, राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने सख्त रुख अख्तियार किया है। लेकिन आज भी अगर चीनी मांझे बाजार में खुलेआम या चोरी छिपे बिक रहे हैं, तो इसे रोकने में संबंधित एजंसियां नाकाम क्यों हैं। यह किसकी लापरवाही का परिणाम है कि इसकी वजह से पक्षियों के उड़ने की आजादी खतरे में पड़ रही है, सड़क पर वाहन चलाने वाले भी जोखिम की जद में हैं।

यह निराशाजनक ही है कि चीनी मांझे पर प्रतिबंध आज तक कारगर साबित नहीं हुए। जबकि चीनी मांझे पर कई राज्यों में रोक है। दिल्ली में वर्ष 2017 से पाबंदी है। इसे बेचने और खरीदने पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 15 के तहत सजा और जुर्माने का प्रावधान है। खतरनाक मांझे बेच रहे लोगों पर छापे मारे जाते हैं, कुछ को गिरफ्तार भी किया जाता है।

फिर भी चीनी मांझे बेचने और खरीदने का ऐसा क्या जुनून है लोगों में कि जोखिम की आशंका के बारे में जानते-बूझते हुए भी वे न तो सजा से डरते हैं और न किसी जुर्माने से। ऐसी स्थिति में इसके खतरों का दायरा बढ़ाने के लिए वैसे लोग भी जिम्मेदार हैं, जिन्हें सिर्फ अपने रोमांच और मनोरंजन की परवाह है। जाहिर है, इससे उपजी समस्या से पार पाने के लिए सरकार को बहुस्तरीय सख्ती बरतने की जरूरत है।

एकता की मिसाल हैं भारतीय भाषाएं

भाषा केवल संवाद का ही माध्यम नहीं है, वरन संस्कृति की वाहक भी है। भारत एक बहुभाषी देश है। पूर्व से पश्चिम तक, कश्मीर से कन्याकुमारी तक संपूर्ण राष्ट्र में सहस्त्रों भाषाएं बोली जाती हैं। भोजपुरी में एक कहावत है- 'कोस कोस पर पानी बदले, तीन कोस पर बानी' अर्थात दो-दो मील पर पानी में बदलाव आ जाता है और छह-छह मील पर भाषा-बोली बदल जाती है, परंतु पानी के स्वाद-गुण और भाषा के भाव में कोई परिवर्तन नहीं होता है।

भारतवर्ष की सभी भाषाएं एक ही परिवार की शाखाएं हैं और इसीलिए उनके भीतर एक सांस्कृतिक भाव की स्रोतस्विनी प्रवाहित है, जो इस राष्ट्र को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बनाती है। गुलामी काल में अंग्रेजों की विभाजनकारी नीति को बल देने के लिए पाश्चात्य भाषा विज्ञानियों ने भाषा परिवार की एक मिथ्या कल्पना पर आधारित अवधारणा प्रस्तुत की।

उन्होंने 'आर्य समस्या' जैसी एक कृत्रिम समस्या को जन्म दिया। इसके मूल में उनकी यह दुरभिसंधि थी कि प्राचीन संस्कृत (छंदस्) की प्राचीनता को प्रश्नांकित करते हुए भारत की भाषाओं को अनेक भाषा-परिवारों से उत्पन्न बताया जाए और इसमें वे सफल भी रहे। यहां तक कि 'आर्य' शब्द को जर्मन फासीवाद से भी जोड़कर देखा गया।

भारत में आर्यों के आगमन की कृत्रिम अवधारणा अनुमान, अटकल या प्रतीति के आधार पर रची गई। ऐसा करने वालों के पास इस प्रश्न का कोई सटीक उत्तर नहीं रहा है कि भारत आने के पूर्व इन कथित आर्यों का मूल निवास कहां रहा और वहां से दो दिशाओं में बिखराव का कारण क्या रहा? वैदिक साहित्य में उस मूल स्थान की चर्चा क्यों नहीं है?

वस्तुतः अंग्रेजों को यह स्थापित करना था कि भारत में सभी जन, द्रविड़, आर्य आदि सभी बाहर से आए हैं, अतः हमारे आने में कोई विशेष समस्या नहीं है। यह भूमि ही आप्रवासियों से बनी है। अंग्रेजों और उनके भारतीय मानसपुत्रों ने भी इस कृत्रिम अवधारणा के आधार पर एक अज्ञात 'प्रोटो इंडो यूरोपियन' नाम की भाषा की कल्पना की और संस्कृत को 'इंडो आर्यन' नाम दे दिया। उन्होंने संस्कृत से लेकर फारसी, ग्रीक, लैटिन, जर्मन आदि भाषाओं को कतिपय शब्द साम्य के आधार पर 'इंडो यूरोपियन' भाषा माना तथा शेष भारतीय भाषाओं को अन्य कल्पित भाषा परिवार से उत्पन्न बताने के लिए 'आर्य-द्रविड़' जैसे षड्यंत्रकारी प्रत्यय को विकसित किया। भाषा परिवार की इसी षड्यंत्रकारी अवधारणा ने कुछ राजनीतिज्ञों को अपनी रोटी सेंकने का अवसर दे दिया है। अगर शब्द साम्य ही 'भारोपीय परिवार' की कल्पना का आधार है तो ऐसे हजारों शब्द हैं, जो आज भी अनेक भारतीय भाषाओं में व्यवहृत होते हैं।

'दिन' शब्द संस्कृत, पंजाबी, मराठी (दिवस), गुजराती, नेपाली, बांग्ला, असमिया, उड़िया, डोगरी, बोडो आदि में ज्यों का त्यों प्रयुक्त होता है। 'राष्ट्र' शब्द संस्कृत, सिंधी, मराठी, कोंकणी, बांग्ला, असमिया, उड़िया, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, संथाली आदि में उपस्थित है। 'प्रेम' शब्द संस्कृत, पंजाबी, कश्मीरी, सिंधी, मराठी, गुजराती, कोंकणी, नेपाली, बांग्ला, असमिया, उड़िया, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, मैथिली आदि भाषाओं में जस का तस प्रयोग में आता है। 'देवता' शब्द संस्कृत, पंजाबी, सिंधी, मराठी, गुजराती, नेपाली, उड़िया, तेलुगु (देवत), तमिल (देवतै), मलयालम (देवत), कन्नड़ (देवते), डोगरी, संथाली आदि भाषाओं में या तो ज्यों का त्यों या कतिपय परिवर्तनों के साथ प्रयुक्त होता है।

अगर शब्द साम्य के आधार पर संस्कृत और अवेस्ता या लैटिन एक परिवार की भाषाएं हैं तो तमिल और हिंदी क्यों नहीं? तमिल शब्द चटै (वेणी) हिंदी में चोटी है। तमिल शब्द परै (पक्षी) हिंदी में है। ऐसे सैकड़ों शब्द हैं। वस्तुतः आर्य और द्रविड़ भाषाओं में तात्विक अभेद है।

इसका विकास भारतीय परिवेश में ही हुआ और इन्हीं में भारत की ज्ञान परंपरा और संस्कृति संरक्षित है। वास्तव में भारतीय भाषाओं में संस्कृति और विचारों की एकध्येयता रही है। उस एकध्येयता का सबसे बड़ा साक्ष्य यह है कि हर भारतीय भाषा ने रामायण और महाभारत से प्रेरणा ग्रहण की।

भारतीय भाषाओं में मूलभूत एकता भी रही है। तमिल और उर्दू को छोड़कर भारत की लगभग सभी भारतीय भाषाओं का जन्मकाल लगभग समान ही है। विकास के चरण भी प्रायः समान ही हैं। साहित्यिक पृष्ठभूमि प्रायः समान है। संत काव्य की समान प्रवृत्ति है। प्रेमाख्यान काव्य की एक जैसी परंपरा है। स्त्री एवं दलित संवेदना एक जैसी है।

प्रभु की महानता इसमें है कि प्रभु सबके लिए हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ज्यादा ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत

जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल इलाके में आतंकियों के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़ को पिछले कई वर्षों के दौरान सबसे लंबा आतंकरोधी अभियान माना जा रहा है। निश्चित रूप से सुरक्षा बलों ने अलग-अलग स्तर पर आतंकियों की घेराबंदी की है, लेकिन अफसोस की बात है कि इस मुठभेड़ में दो जवानों के शहीद होने और कम से कम दस के घायल होने की खबर आई है। इससे फिर यही लगता है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ तमाम अभियानों और कवायदों के बावजूद आज भी आतंकी सक्रिय हैं और अक्सर उनके हमलों या उनके साथ मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के जवानों को जान गंवानी पड़ती है।

गौरतलब है कि इस महीने के शुरू में अखल इलाके में कुछ आतंकियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने अभियान शुरू किया था। कई दिनों की मुठभेड़ में अब तक दो आतंकी के मारे जाने की खबर आई है, लेकिन इलाके में घने जंगल और प्राकृतिक गुफाओं का फायदा उठा कर कई आतंकियों के अब भी छिपे होने की आशंका है।

कुछ समय पहले पहलगाम में जब कुछ आतंकियों ने अचानक हमला करके कई पर्यटकों की हत्या कर दी थी, तब हर तरफ से आतंकवादियों के

खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग उठी थी। सरकार ने जवाबी कार्रवाई के तौर पर पाकिस्तानी सीमा में स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों के खिलाफ 'आपरेशन सिंदूर' के तहत ठोस कार्रवाई की और उसमें काफी आतंकियों के मारे जाने की खबर आई। उस अभियान से दुनिया भर में यह संदेश गया कि अब भारत आतंकवाद के विरुद्ध कोई भी नरमी नहीं बरतने जा रहा है, भले ही उसके कर्ता-धर्ता पाकिस्तान जैसे देश के रहनुमाओं का संरक्षण पाकर वहां से अपनी गतिविधियां संचालित करते हों।

इसी तेवर में पाकिस्तानी सीमा में घुस कर आतंकियों के खिलाफ एक कामयाब हमले को अंजाम भी दिया गया। मगर अब जम्मू-कश्मीर के कुलगाम और अन्य कुछ इलाकों में आतंकियों की ओर से घात लगा कर किए गए हमलों से यह साफ है कि वहां अब भी आतंकी अपने छिपे ठिकानों से सुरक्षा बलों पर घात लगा कर हमले कर रहे हैं।

यह स्थिति तब भी है, जब जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार ने अपनी ओर से सभी मोर्चों पर पूरी ऊर्जा लगा रखी है। दशकों से जारी इस समस्या से पार पाने के लिए सरकारों ने समय-समय पर लगातार दावे किए हैं, आतंकियों के खिलाफ अधिकतम सख्ती से लेकर स्थानीय नागरिकों से संवाद तक हर स्तर पर अनेक उपाय किए गए हैं। मगर आज भी वहां रह-रह कर सामने आने वाली आतंकवादी गतिविधियां देश के सामने एक तरह से चुनौती बनी हुई हैं और आए दिन जवानों की शहादत की खबरें आती रहती हैं।

इसमें कोई दोराय नहीं कि आतंकवाद के खिलाफ अभियान में सरकार ने अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी है। यहां तक कि एकाधिक बार पाकिस्तानी सीमा में घुस कर भी आतंकियों को निशाना बनाया गया। मगर सवाल है कि आखिर कहां ऐसी कमी है कि इस समस्या और पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकवादी संगठनों पर काबू पाना संभव नहीं हो सका है। आतंकियों से मुठभेड़ की ताजा घटना एक बार फिर यह रेखांकित करती है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के पूरी तरह सफाए के लिए ज्यादा सुचिंतित और ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है।

छोटी सी बच्ची ने जानवर पहचानने का बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

हर व्यक्ति में कोई न कोई खास कला या खूबी जरूर होती है. आज के समय में लोग अपनी इन विशेषताओं के दम पर नए-नए रिकॉर्ड बना रहे हैं.

जरा हट के

आपने कभी न कभी गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के बारे में जरूर सुना होगा, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा रिकॉर्ड प्लेटफॉर्म माना जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में भी एक ऐसा ही प्लेटफॉर्म है, जो रिकॉर्ड बनाने वालों के लिए जाना जाता है?

इस संस्था का नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इंडिया है. खास बात यह है कि यहां बनने वाले रिकॉर्ड अक्सर बड़े ही अनोखे और अजब-गजब होते हैं. हाल ही में इसी संस्था के माध्यम से मुंबई की एक छोटी बच्ची ने अद्भुत रिकॉर्ड बनाया है. इस बच्ची की उम्र मात्र 2 वर्ष है. इस छोटी बच्ची का नाम कृद्धा सिन्हा है. कृद्धा ने तब वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जब उसकी उम्र सिर्फ 1 साल 9 महीने थी.

उसकी मां प्रीथा सिन्हा ने बताया कि कृद्धा ने यह रिकॉर्ड

एनिमल्स यानी जानवरों के नाम सुनकर उनके चित्र पहचानने में बनाया है. वह अब तक की सबसे कम उम्र की बच्ची है, जिसने इतनी तेजी से और सटीकता के साथ जानवरों की पहचान की है. रिकॉर्ड बनाते समय एक साथ 3-4 जानवरों के चित्र दिखाए जाते थे और नाम सुनकर सही जानवर की पहचान करनी होती थी. कृद्धा ने सिर्फ 1 मिनट में 32 जानवरों को पहचान कर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया.

7 महीने की उम्र में फल और जानवरों के नाम याद किए

प्रीथा सिन्हा ने बताया कि जब कृद्धा सिर्फ 2 महीने की थी, तभी से उन्होंने उसे सीखने और याद करने की ट्रेनिंग देना शुरू कर दी थी. उनका मानना है कि बच्चे जिस चीज़ में रुचि लेते हैं, उस क्षेत्र में जल्दी और गहराई से सीखते हैं. कृद्धा ने 7 महीने की उम्र में ही फलों के नाम, गाड़ियों के नाम और अन्य कई चीज़ों के नाम बोलना शुरू कर दिया था. इस छोटी बच्ची का नाम एक और किताब में दर्ज है, जिसका नाम है जीनियस किड रिकॉर्ड. प्रीथा का यह भी कहना है कि हर माता-पिता को अपने बच्चों की पसंद और रुचि को समझना चाहिए, ताकि वे अपनी क्षमता के अनुसार कुछ बड़ा कर सकें शायद अगला रिकॉर्ड भी.

खाना-खजाना

भिंडी रायता

शायद ही कोई हो जिसे भिंडी नहीं पसंद होगा। सभी इसे बड़े चाव से खाते हैं। इसका रायता भी बहुत स्वादिष्ट लगता है।

सामग्री :

- भिंडी 250 ग्राम
- दही दो कप
- बेसन एक टेबलस्पून
- तेल तलने के लिए
- हरी मिर्च एक बारीक कटी हुई
- भुना हुआ जीरा पाउडर एक टीस्पून
- लाल मिर्च पाउडर आधा टीस्पून
- नमक स्वादानुसार
- हरा धनिया

विधि :

सबसे पहले भिंडी को धोकर अच्छे से सुखा लें।

अब पतले-पतले टुकड़ों में काट लें।

इसके बाद एक पैन में तेल गरम करें।

चाहें तो भिंडी पर हल्का बेसन और नमक छिड़ककर मिक्स करें।

फिर मीडियम आंच पर कुरकुरी होने तक फ्राई करें।

अब एक बाउल में दही को फेंट लें।

इसमें नमक, भुना जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और हरी मिर्च डालें।

अब दही में फ्राई की हुई भिंडी डालकर हल्के हाथ से मिक्स करें।

ऊपर से हरा धनिया डालें।

इसे ठंडा करके रोटी, पराठा या पुलाव के साथ सर्व कर सकते हैं।

7 से कम घंटे की नींद बन सकती है मुसीबत की वजह

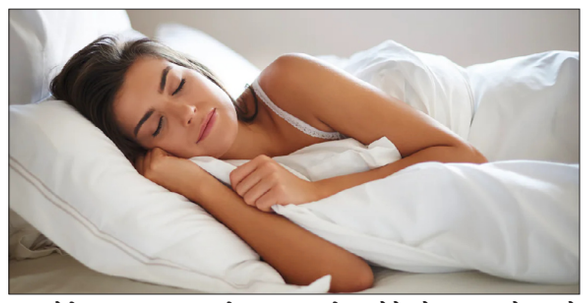

इन तरीकों से करें स्लीप पैटर्न में सुधार

दिनभर की थकान दूर करने के लिए रात को कम से कम 7 घंटे सोना बेहद जरूरी है। लेकिन हमारी बिजी लाइफस्टाइल के कारण हम अक्सर पूरी नींद ले नहीं पाते हैं और हमारा स्लीप डेट बढ़ने लगता है।

इस वजह से हमारी फिजिकल और मेंटल हेल्थ, दोनों पर ही असर होता है। आइए जानते हैं कि स्लीप डेट होता क्या है, इसके नुकसान क्या हैं और इससे बचने के लिए हम क्या कर सकते हैं।

स्लीप डेट क्या होता है?

स्लीप डेट तब होता है जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक अपनी जरूरत के अनुसार पूरी नींद नहीं ले पाता। इसे यूं समझ सकते हैं कि अगर किसी व्यक्ति को रोजाना 7-8 घंटे की नींद चाहिए, लेकिन वह केवल 5-6 घंटे ही सो पाता है, तो धीरे-धीरे उसका स्लीप डेट बढ़ता जाता है।

यह समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब व्यक्ति लगातार कई दिनों या हफ्तों तक नींद पूरी नहीं कर पाता। इस स्थिति में शरीर और दिमाग दोनों पर काफी नेगेटिव असर पड़ता है।

स्लीप डेट के नुकसान क्या हैं?

नींद पूरी न होने से न केवल थकान महसूस होती है, बल्कि इसके और भी कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जैसे-

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव- नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, तनाव, डिप्रेशन और फोकस की कमी हो सकती है।

शारीरिक समस्याएं- हार्ट डिजीज, मोटापा, डायबिटीज और इम्युनिटी कमजोर होने का खतरा बढ़ जाता है।

याददाश्त कमजोर होना- नींद पूरी न होने से दिमाग सही तरीके से काम नहीं करता, जिससे याद रखने की क्षमता प्रभावित होती है।

दिनभर सुस्ती और आलस- स्लीप डेट के कारण दिन में नींद आना, एनर्जी की कमी और काम में मन न लगना जैसी समस्याएं होती हैं।

नींद पूरी करने के लिए क्या करें?

सोने का समय तय करें- हर रोज एक ही समय पर सोने और उठने की आदत डालें, यहां तक कि वीकेंड पर भी। इससे शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक संतुलित रहती है।

सोने से पहले स्क्रीन टाइम कम करें- मोबाइल, लैपटॉप या टीवी से निकलने वाली ब्लू लाइट मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है, जो नींद लाने में मदद करता है। सोने से 1 घंटे पहले इन डिवाइसेज का इस्तेमाल बंद कर दें।

आरामदायक स्लीपिंग एनवायरनमेंट बनाएं- बेडरूम को शांत, अंधेरा और ठंडा रखें। आरामदायक गद्दे और तकिए का इस्तेमाल करें।

कैफीन और हैवी मील से बचें- सोने से 4-6 घंटे पहले कॉफी, चाय या एनर्जी ड्रिंक्स न पिएं। रात में हल्का खाना खाएं, ताकि पाचन तंत्र पर जोर न पड़े।

रिलैक्सेशन तकनीक अपनाएं- सोने से पहले मेडिटेशन, डीप ब्रीदिंग या हल्की स्ट्रेचिंग करें। गुनगुने पानी से नहाना भी अच्छी नींद लेने में मददगार होता है।

दिन में नैप लें- अगर रात की नींद पूरी नहीं हुई, तो दिन में 20-30 मिनट की पावर नैप ले सकते हैं। लेकिन लंबी झपकी लेने से रात की नींद पर असर पड़ सकता है।

एक्सरसाइज और योग करें- नियमित व्यायाम करने से नींद अच्छी आती है, लेकिन सोने से ठीक पहले हैवी वर्कआउट न करें।

आज का राशिफल

मेष : आज भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें।

वृषभ : मान-सम्मान मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें। जल्दबाजी न करें।

मिथुन : व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

सिंह : शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। दुष्टजनों से दूर रहें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कन्या : भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

तुला : व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। मान-सम्मान मिलेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। कार्यों में विलंब होगा।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु : आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

मकर : यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कुंभ : आज मान-सम्मान के योग बनेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। अपेक्षानुरूप कार्य न होने से अधिकारी की नाराजी झेलना पड़ेगी।

मीन : कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

वजन घटाने के लिए खीरा कब खाना चाहिए

भोजन करने से पहले या बाद में?

खीरा गर्मियों में खूब खाया जाता है. ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें पानी की मात्रा काफी होती है. यह गर्मियों में शरीर को ठंडक प्रदान करता है. शरीर में पानी की कमी नहीं होती है. इसे खाने से आपका पेट भी फूलता नहीं है और भरा हुआ भी महसूस होता है, क्योंकि ये काफी हल्का और सुपाच्य होता है. खीरे का सेवन ज्यादातर सलाद, स्मूदी, डिटॉक्स ड्रिंक,जूस आदि के रूप में इसका सेवन कर सकते हैं. कई फायदों से भरा खीरा वजन कम करने में भी मदद करता है. जानें खीरा खाने का सही समय क्या है?

भोजन करने से पहले या बाद में खाना चाहिए खीरा?

टीओआई में छपी एक खबर के अनुसार, आप जितनी मात्रा में और जिस समय भी खाते हैं, वो बहुत मायने रखता है. आप गलत समय पर खाएंगे, अधिक मात्रा में खाएंगे तो पाचन, हाइड्रेशन, न्यूट्रिएंट एब्जॉर्प्शन में थोड़ी बहुत कमी आती है.

होता है बहुत अधिक पानी

खीरे में लगभग 95 प्रतिशत पानी होता है. इसमें विटामिन के, एंटीऑक्सीडेंट्स, मैग्नीशियम, पोटैशियम, प्लांट कम्पाउंड भी होता है, जिमें एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व होते हैं. जब आप खीरा खाते हैं तो इससे शरीर हाईड्रेटेड रहता है. पाचन को सपोर्ट करता है. आपके पेट को देर तक भरे होने का अहसास कराता है, क्योंकि इसमें कैलोरी काफी कम और पानी की मात्रा अधिक होती है. इस तरह से वजन कंट्रोल रखने में भी फायदेमंद होता है खीरा.

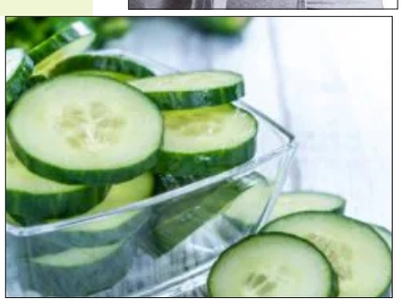

जब आप भोजन से पहले खाते हैं खीरा

खाना खाने से पहले खीरा खाना भूख को कम करने का एक नेचुरल ट्रिक है. चूंकि, इसमें पानी और फाइबर काफी अधिक होता है, इसलिए ये देर तक आपके पेट को भरा होने का अहसास कराते हैं. ऐसे में आप कम खाते हैं, कम कैलोरी युक्त फूड्स खाते हैं. ऐसे में आप वजन कम करने की कोशिश में हैं तो खीरा हमेशा भोजन करने से पहले खाएं.

भोजन से पहले खारी खाना कैसे है हेल्दी

वजन बढ़ने से रोके. आपको अधिक खाने से रोके. भोजन से पहले हाइड्रेशन सुधारे. फाइबर इनटेक को बूस्ट करे.

जब आप भोजन के बाद खाते हैं खीरा

जब आप भोजन करने के बाद खीरा खाते हैं तो भी फायदेमंद है. इससे डाइजेशन बेहतर होता है. ये एक बेहतर क्लिंजर की तरह पेट में जाकर काम करता है. फाइबर भोजन को डाइजेस्टिव ट्रैक्ट में भेजने में मदद करता है. इससे खाने के बाद ब्लोटिंग की समस्या नहीं होती है. आपने जो भी खाया है, उसमें स्टार्च, फैट की मात्रा अधिक थी, उसके बाद आप खीरा खाते हैं तो कैलोरी एब्जॉर्शन को धीमा नहीं करता है.

भोजन के बाद खीरा खाना कैसे है हेल्दी

पाचन आसान बनाता है. तला-भुना, मसालेदार खाना खाने के बाद मुंह को रिफ्रेश करता है. भोजन के बाद शरीर को हाइड्रेट करती है. नमक युक्त भोजन से सोडियम को बैलेंस करती है. मिठाई या अन्य हेवी कैलोरी युक्त स्नैक्स के विकल्प में खीरा एक बेहतर हेल्दी पोस्ट-मील स्नैक्स है.

खीरा सुबह खाएं या शाम

खीरा सुबह खाने से आपका शरीर हाइड्रेट होता है, क्योंकि आप रात में सोने के बाद उतना पानी नहीं पीते हैं. वहीं, शाम में खाते हैं तो ये एक लो कैलोरी हल्के स्नैक्स की तरह होता है, जो आपके पाचन को नुकसान नहीं पहुंचाता है और आप सुकून से रातभर सोते हैं.

वजन कम करने के लिए कब खाएं खीरा

यदि आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो आप खीरा भोजन करने से पहले खाएं. ये भूख को कम करता है, जिससे आप कम खाना खाते हैं. खुद को हाइड्रेटेड रिफ्रेशिंग बनाए रखना चाहते हैं तो इसे खाना खाने के बाद भी खा सकते हैं. इसे आप सलाद, स्मूदी, जूस, क्रंची स्नैक्स किसी भी तरह से खा सकते हैं. हर तरीके से खीरा सेहत के लिए बेस्ट और हेल्दी है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

14 साल की चचेरी बहन पर बिगड़ी ताऊ के बेटे की नीयत, रेप के बाद गला घोंटकर हत्या

औरैया. उत्तर प्रदेश के औरैया में अपनी चचेरी बहन पर ही ताऊ के बेटे की नीयत खराब हो गई। 14 साल की चचेरी बहन के साथ पहले रेप किया। इसके बाद अपना कुकर्म छिपाने के लिए गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। उत्तर प्रदेश के औरैया में अपनी चचेरी बहन पर ही ताऊ के बेटे की नीयत खराब हो गई। 14 साल की चचेरी बहन के साथ पहले रेप किया। इसके बाद अपना कुकर्म छिपाने के लिए गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। बिधूना क्षेत्र के एक गांव में रक्षाबंधन वाली रात ही वारदात को अंजाम दिया गया। क्राइम पेट्रोल सीरियल देखने का शौकीन हत्यारा वारदात के बाद अपने वहां होने का सबूत मिटाया। हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए बहन को फांसी के फंदे पर लटका दिया। पुलिस को दो दिनों तक बरगलाता भी रहा। इसके बाद भी पुलिस ने मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए हत्यारे सुरजीत सक्सेना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

लव मैरिज के 10 वें दिन ही पत्नी का कातिल बन गया सिपाही

बस्ती. यूपी के बस्ती में 10 दिन पहले ही मंदिर में प्रेम विवाह (लव मैरिज) करने वाले एक सिपाही ने पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। उसने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर पत्नी का पेट फाड़ दिया। पत्नी की चीखें सुनकर मकान मालकिन दौड़ते हुए उसके कमरे पर गईं और दरवाजा खटखटाने लगीं लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। दिल दहला देने वाली यह घटना बस्ती के कोतवाली क्षेत्र के भूअर निरंजनपुर मोहल्ले में हुई है। सिपाही की तैनाती बस्ती में ही है। उसका नाम गामा निषाद और उम्र करीब 30 वर्ष है। वह गोरखपुर का रहने वाला है। वर्तमान में उसकी तैनाती डीसीआरबी में थी। उसके हाथों मारी गई उसकी पत्नी का नाम माया गौड़ था और वह न्यायालय में प्राइवेट कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में काम करती थी। डीसीआरबी में आने-जाने के दौरान उसकी गामा निषाद से दोस्ती हो गई थी। दोनों की पहचान करीब तीन साल पुरानी थी। परिवार से जुड़े लोगों ने बताया कि गामा और माया पिछले करीब ढाई साल से बस्ती में लिव-इन में रह रहे थे। 10 दिन पहले ही दोनों ने मंदिर में शादी की थी।

दर्दनाक चीखों के बीच पत्नी के मर जाने तक करता रहा वार, पति ने पीट-पीटकर मार डाला

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर के चिलुआताल थाना क्षेत्र के मीरपुर गांव में एक पति गुस्से से इस कदर बेकाबू हो गया कि अपनी पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला। दर्दनाक चीखों के बीच वह तब तक वार करता रहा जब तक कि पत्नी की सांसें नहीं थम गईं। इस दौरान महिला के ससुर और परिवार के अन्य सदस्यों ने उसे बचाने की भरपूर कोशिश की। लेकिन कसाई बन गए पति पर किसी का असर नहीं पड़ा। वह तब तक अपनी पत्नी को मारता रहा जब तक की उसकी मौत नहीं हो गई। मिली जानकारी के अनुसार पति सोनू सिंह की सोमवार की देर रात किसी बात पर पत्नी वंदना सिंह से कहासुनी हो गई थी। इससे वह इतना गुस्से में आ गया कि घर में रखे सड़क खोदने वाली गैंती से पत्नी की कनपटी पर वार कर दिया। वह पत्नी को तब तक पीटता रहा जब तक की उसकी मौत नहीं हो गई।

जस्टिस वर्मा को हटाने की प्रक्रिया शुरू

- स्पीकर ने महाभियोग प्रस्ताव पर बनाई कमेटी

नई दिल्ली. इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने कर दिया है। उन्होंने जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन का भी ऐलान किया है। जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास पर इसी साल मार्च में जली हुई नकदी के बड़े ढेर मिले थे। उसके बाद से जस्टिस वर्मा विवादों और सुर्खियों में रहे हैं। उस समय जस्टिस वर्मा दिल्ली हाई कोर्ट के जज थे। बाद में उनका तबादला इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया था।

लोकसभा में कमेटी के गठन का ऐलान करते हुए स्पीकर बिरला ने बताया कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ 146 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित महाभियोग प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया गया है। कमेटी जस्टिस वर्मा के मामले की जांच कर लोकसभा को रिपोर्ट सौंपेगी।

कमेटी में कौन-कौन?

इस कमेटी में तीन लोगों को रखा गया है। इनमें सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार, मद्रास हाई कोर्ट के जस्टिस मनिंदर मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य हैं। बिरला ने कहा, "जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए। संसद भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट है। हमने महाभियोग प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है...लोगों को न्यायपालिका पर भरोसा है।"

146 सदस्यों के हस्ताक्षरित प्रस्ताव मिले थे

स्पीकर बिरला ने कहा, ''समिति यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। जांच समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने तक जस्टिस वर्मा को हटाने का प्रस्ताव लंबित रहेगा।'' इससे पहले उन्होंने सदन को सूचित किया कि उन्हें गत 31 जुलाई को भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और सदन में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के कुल 146 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है, जिसमें जस्टिस यशवंत वर्मा को न्यायाधीश जांच अधिनियम 1968 की धारा 3 के साथ संविधान के अनुच्छेद 124 (4) के साथ पठित अनुच्छेदों 217 और 218 के अंतर्गत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से हटाने के लिए राष्ट्रपति को एक समावेदन प्रस्तुत करने का प्रस्ताव है।

उत्तराखंड त्रासदी- तबाह धराली फिर से नहीं बसेगा

- पूरा गांव नई जगह शिफ्ट होगा
- 10 साल में 3 आपदा आईं
- सरकार बोली- 43 लोग लापता

उत्तरकाशी. उत्तरकाशी में बादल फटने के बाद आई आपदा में तबाह हुआ धराली गांव अब दोबारा उस जगह नहीं बसेगा। सोमवार को CM हाउस में हुई बैठक में यह फैसला हुआ है। तय हुआ कि धराली गांव सुरक्षित जगह शिफ्ट होगा। नदियों के किनारे और लैंडस्लाइड वाले संवेदनशील क्षेत्रों में कोई भी नया निर्माण नहीं होगा। इस तरह की संवेदनशील जगहों वाले अन्य गांव भी शिफ्ट किए जा सकते हैं।

बीते 10 साल में धराली इलाके में तीन आपदाएं आईं। तीन बार गांव तबाह हुआ, लेकिन हर बार स्थानीय लोगों ने वहां नई इमारतें खड़ी कर लीं। फिलहाल आपदा के 7 दिन बाद भी धराली गांव लाखों टन मलबे में दबा है।

उत्तरकाशी के धराली में 5 अगस्त को दोपहर 1.45 बजे बादल फट गया था। खीर गंगा नदी में बाढ़ आने से 34 सेकेंड में धराली गांव जमींदोज हो गया था। सरकार ने सोमवार को बताया कि कुल 43 लोग लापता हैं। इनमें से एक ही शव मिल पाया है।

अमेरिका में 70 वर्षीय सिख बुजुर्ग पर हमला

- पूर्व क्रिकेटर हरभजन बोले- यह मानवता पर प्रहार
- राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी प्रशासन सख्त कार्रवाई करे

जालंधर. जालंधर से ताल्लुक रखने वाले भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने अमेरिका के नॉर्थ हॉलीवुड में 70 वर्षीय सिख बुजुर्ग श्री हरपाल सिंह पर हुए बर्बर हमले पर गहरी चिंता और रोष जताया है। उन्होंने कहा कि यह हमला सिर्फ पीड़ित पर नहीं, बल्कि मानवता, विविधता और आपसी सम्मान जैसे मूल्यों पर सीधा वार है।

कुछ दिन पुरानी इस घटना का वीडियो हरभजन सिंह ने शेयर किया है, जिसमें सिख बुजुर्ग खून से लथपथ जमीन पर बैठे नजर आ रहे हैं और उनका पूरा शरीर खून से सना हुआ है।

गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें निगरानी में रखा है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह हमला नस्लीय और नफरत की भावना से किया गया, जिसमें उनकी आस्था, जातीय पहचान और रूप-रंग को निशाना बनाया गया।

राहुल बोले- बेजुबान पशु कोई समस्या नहीं, उन्हें हटाना क्रूरता

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- 8 हफ्तों में दिल्ली-NCR के आवारा कुत्तों को शेल्टर होम भेजें

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये दशकों से चली आ रही मानवीय और साइंटिफिक पॉलिसी से पीछे ले जाने वाला कदम है। ये बेजुबान पशु कोई 'समस्या' नहीं हैं, जिन्हें हटाया जाए।

राहुल ने X पर लिखा, 'शेल्टर्स, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल अपनाया जाना चाहिए। इससे बिना क्रूरता के भी डॉग्स को सुरक्षित रखा जा सकता है। पूरी तरह पाबंदी क्रूर-अदूरदर्शी है और हमारी दया-भावना को खत्म करता है। हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण दोनों कैसे साथ-साथ चलें।'

दरअसल, 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के नगर निकायों को निर्देश दिया है कि आवारा कुत्तों को तुरंत पकड़कर नसबंदी करें और उन्हें स्थायी रूप से शेल्टर होम में रखें। इसके लिए 8 हफ्ते का समय दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कुत्ते सड़कों पर वापस नहीं लौटने चाहिए

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-NCR के सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्ते के भीतर सड़क से हटाने और उन्हें विशेष शेल्टर होम में भेजने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने हिदायत दी कि ये कुत्ते सड़कों पर वापस नहीं लौटने चाहिए। उधर, राजस्थान हाई कोर्ट ने भी सोमवार को शहरी सड़कों से आवारा कुत्ते और पशु हटाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच आवारा कुत्तों के बच्चों पर हमले की खबर पर खुद ही नोटिस लेकर सुनवाई कर रही है।

कोर्ट ने इस काम में बाधा डालने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। कोर्ट ने कहा, कोई व्यक्ति या संगठन बाधा बना तो अवमानना की कार्यवाही की जा सकती है। कोर्ट ने पशु एवं कुत्ते प्रेमियों को आड़े हाथों लेते हुए सवाल किया कि क्या वे रेबीज के शिकार बच्चों को वापस ला पाएंगे? बच्चों को किसी भी कीमत पर रेबीज नहीं होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट बोला-सजा पूरी कर चुके कैदी तुरंत रिहा करें

- उन्हें जेल में रखना गलत;
- नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी की रिहाई का आदेश दिया

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चिंता जताई कि कई कैदी अपनी सजा पूरी करने के बाद भी जेल में बंद हैं। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि ऐसे सभी कैदियों को तुरंत रिहा किया जाए, जो अपनी सजा पूरी कर चुके हैं और किसी अन्य मामले में दोषी नहीं हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव यादव उर्फ पहलवान की रिहाई का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि यादव ने मार्च 2024 में 20 साल की सजा पूरी कर ली थी, इसलिए उन्हें उसी समय रिहा कर देना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस आदेश की कॉपी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को भेजी जाए, ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं कोई कैदी अपनी सजा की अवधि से ज्यादा समय से जेल में तो नहीं है।

कोर्ट ने 29 जुलाई को रिहाई का आदेश दिया था

- कोर्ट ने 29 जुलाई को सुखदेव पहलवान की रिहाई का आदेश दिया था। लेकिन सजा समीक्षा बोर्ड ने उसके आचरण का हवाला देते हुए उसकी रिहाई पर रोक लगा दी थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और कहा कि एक अदालत द्वारा पारित आदेश को एसआरबी कैसे नजरअंदाज कर सकता है?
- कोर्ट ने कहा कि यादव को 20 साल की सजा पूरी होने के बाद रिहा किया जाना चाहिए था। तब दिल्ली सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे ने दलील दी थी कि 20 साल की सजा के बाद स्वत: रिहाई नहीं हो सकती और आजीवन कारावास का अर्थ है, शेष प्राकृतिक जीवन तक जेल में रहना।

हमारी खोपड़ी सनक गई तो...

- बिलावल भुट्टो पर भड़के मिथुन चक्रवर्ती
- बोले- फिर तो आ जाएगा सुनामी

कोलकाता. अभिनेता से राजनेता बने भाजपा नेता बने मिथुन चक्रवर्ती ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के बयान पर पलटवार किया है और कहा है कि अगर हमारी खोपड़ी सनक गई तो फिर एक के बाद एक ब्रह्मोस चलेगा। मंगलवार को कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए, मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, अगर ऐसी बातें करते रहेंगे और हमारी झोपड़ी सनक गई, तो फिर एक के बाद एक ब्रह्मोस चलेगा। उनका इशारा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सैन्य बलों की साहसिक कार्रवाई की तरफ था।

भाजपा नेता की यह टिप्पणी बिलावल भुट्टो की उस गीदड़भभकी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर भारत ने सिंधु नदी पर बांध बनाया तो युद्ध भड़क जाएगा। चक्रवर्ती ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री द्वारा सिंधु जल संधि में बदलाव को लेकर भारत को दी गई नई चेतावनी की कड़ी आलोचना की।

ऐसा बाँध बनाने के बारे में भी सोचा है...

बाद में पाकिस्तान पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए उन्होंने आगे कहा, ₹हमने एक ऐसा बाँध बनाने के बारे में भी सोचा है, जहाँ 140 करोड़ लोग पेशाब करेंगे। उसके बाद, हम बाँध खोल देंगे, और सुनामी आ जाएगी।₹ उन्होंने कहा कि मुझे पाकिस्तान के लोगों से कोई शिकायत नहीं है। मैंने यह सब उनके (बिलावल भुट्टो) लिए कहा है।

जिंदा लोगों को मृत बताने के दावे पर SC में बोला चुनाव आयोग-

कुछ गलतियां हो जाती हैं...!

नई दिल्ली. बिहार में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी SIR के खिलाफ दायर अर्जियों पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई शुरू हुई। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस न्यायमूर्ति जे. बागची की पीठ ने आरजेडी नेता मनोज झा की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल को सुना। इस दौरान कपिल सिब्बल ने दावा किया कि एक निर्वाचन क्षेत्र में ही ऐसे 12 लोगों के मृत होने का किया गया है, जो जीवित पाए गए हैं। वहीं एक अन्य घटना में भी जीवित व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया है। इस पर निर्वाचन आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि इस तरह की प्रक्रिया में 'कहीं कहीं कुछ त्रुटियां होना स्वाभाविक है'।

उन्होंने यह भी कहा कि मृत व्यक्तियों को जीवित और जीवित

को मृत घोषित करने जैसी गलतियों को दूर किया जा सकता है क्योंकि यह एक ड्राफ्ट लिस्ट है। पीठ ने निर्वाचन आयोग से कहा कि वह तथ्यों और आंकड़ों के साथ 'तैयार' रहे क्योंकि प्रक्रिया शुरू होने से पहले की मतदाताओं की संख्या, पहले के मृतकों की संख्या और अब की संख्या तथा अन्य प्रासंगिक विवरणों पर सवाल उठेंगे। निर्वाचन आयोग को एक संवैधानिक प्राधिकरण करार देते हुए 29 जुलाई को शीर्ष अदालत ने कहा था कि अगर बिहार में मतदाता सूची की एसआईआर में 'बड़े पैमाने पर मतदाताओं को हटाया गया है' तो वह तुरंत हस्तक्षेप करेगी।

बिहार में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट एक अगस्त को प्रकाशित की गई थी और अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली है, जबकि विपक्ष का दावा है कि यह प्रक्रिया करोड़ों पात्र नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित कर देगी। शीर्ष अदालत ने 10 जुलाई को निर्वाचन आयोग से आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज मानने को कहा था और निर्वाचन आयोग को बिहार में अपनी प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति दी थी। चुनाव आयोग के हलफनामे में SIR को यह कहते हुए उचित ठहराया गया है कि यह मतदाता सूची से 'अयोग्य व्यक्तियों को हटाकर' चुनाव की शुचिता को बढ़ाता है।

मानहानि केस- धोनी की अर्जी पर सुनवाई होगी

- मद्रास हाईकोर्ट का आदेश
- माही ने मीडिया हाउस पर 100 करोड़ का दावा किया था

पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के 100 करोड़ रुपए मानहानि केस में मद्रास हाई कोर्ट ने सुनवाई करने के आदेश दिए हैं। धोनी का बयान एडवोकेट कमिश्नर के माध्यम से रिकॉर्ड किया जाएगा, ताकि भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति से बचा जा सके। धोनी ने 2014 में यह केस दर्ज किया था, जिसमें दो प्रमुख मीडिया चैनलों से हर्जाने की मांग की गई थी। आरोप था कि 2013 के IPL सट्टेबाजी घोटाले पर टीवी डिबेट के दौरान उनके खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणी की गई थी।

एक एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त

जस्टिस सीवी कार्तिकेयन ने एक एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया है, जो धोनी की ओर से सबूत और बयान दर्ज करेंगे। धोनी ने हलफनामे में कहा कि वे कोर्ट और कमिश्नर के निर्देशों का पालन करेंगे और चाहते हैं कि ट्रायल में देरी न हो।

2013 में हुई थी स्पॉट फिक्सिंग

IPL 2013 में स्पॉट फिक्सिंग हुई थी। पुलिस की जांच में BCCI के पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन के दामाद, टीम चेन्नई सुपर किंग्स के हेड गुरुनाथ मयप्पन और शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा जैसे बड़े नामों पर आरोप लगे थे।

राजस्थान रॉयल्स के 3 खिलाड़ी एस. श्रीसंत, अंकित चव्हाण और अजीत चंदीला तो गिरफ्तार हो हुए थे। दोनों टीमों पर सवाल खड़े होने लगे। हाईप्रोफाइल मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की तरफ से लोढ़ा कमेटी बनाई गई। साल 2015 में कमेटी की सिफारिश पर दोनों टीमों पर 2 साल का प्रतिबंध लगाया गया था।

2020 में इंटरनेशल क्रिकेट से संन्यास लिया था

धोनी फिलहाल इंटरनेशल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और IPL में CSK की ओर से खेलते हैं। धोनी ने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2007 में कप्तान बनकर उन्होंने भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया। 2011 में उन्होंने भारत को वनडे वर्ल्ड कप भी जिताया। उन्होंने 2020 में इंटनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

कैबिनेट मीटिंग में 4 नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

- सरकार 4,594 करोड़ रुपए निवेश करेगी
- लखनऊ में मेट्रो के अगले फेस को मंजूरी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कुल 18,541 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि बैठक में 4 नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है।

उन्होंने कहा कि 6 प्रोजेक्ट्स पहले से ही स्वीकृत हैं और आज 4 नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है। इसके तहत ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पंजाब में प्लांट्स लगाए जाएंगे, जिसके लिए 4,594 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11.165 किलोमीटर लंबाई वाली लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के फेस-1बी को मंजूरी दी है। इसके तहत 12 मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे और जिसके लिए 5,801 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। लखनऊ में मेट्रो की बहुत जरूरत है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत स्वच्छ विकास और स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्ध है। इसलिए अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में 8,146 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 700 मेगावाट की टाटो II हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है।

इससे पहले पीएम मोदी की अध्यक्षता में 8 अगस्त को कैबिनेट बैठक हुई थी। वैष्णव ने बताया था कि कैबिनेट की बैठक में 5 अहम फैसले लिए गए हैं। इसके लिए कुल 52,667 करोड़ के फंड्स/प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। वैष्णव ने बताया था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 2025-26 में भी सब्सिडी दी जाएगी, जिसके लिए 12,060 करोड़ मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम उज्ज्वला योजना को समावेशी विकास (सबके लिए विकास) के लिए वैश्विक स्तर पर सराहना मिली है। इसका मकसद लोगों की जिंदगी में बदलाव लाना है।

रेल मंत्री ने बताया कि मीटिंग में तय हुआ है कि घरेलू एलपीजी पर घाटे की भरपाई के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को 30,000 करोड़ का मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, तकनीकी शिक्षा में सुधार के लिए MERITE योजना को 4,200 करोड़ की मदद दी जाएगी। इसके अलावा असम और त्रिपुरा के लिए विशेष विकास पैकेज की मौजूदा योजना के तहत 4 नए प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है, जिन पर कुल 4,250 करोड़ खर्च होंगे। वहीं, तमिलनाडु में मरकानम–पुडुचेरी के बीच 46 किमी लंबा चार लेन हाईवे बनाया जाएगा, जिस पर 2,157 करोड़ की लागत आएगी।

पाकिस्तान ने भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों की गैस सप्लाई रोकी

- लोकल वेंडर्स को गैस सिलेंडर न देने के निर्देश
- मिनरल वाटर और न्यूज पेपर भी बंद किए

नई दिल्ली. पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों में गैस सप्लाई बंद कर दी है। इसके अलावा स्थानीय गैस सिलेंडर सप्लायर्स को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलेंडर न बेचें।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद ने मिनरल वाटर और न्यूजपेपर की सप्लाई भी रोक दी है। पाकिस्तान ने यह फैसला भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले की कार्रवाई के तौर लिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI की योजना का हिस्सा है। इसके तहत पाकिस्तान बदले की छोटी-छोटी कार्रवाइयां कर रहा है। जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में तैनात पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है।

पाकिस्तान पहले भी ऐसी हरकतें कर चुका है

2019 में पुलवामा हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारतीय डिप्लोमैट्स को इसी तरह परेशान किया था। उस समय, भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया, उप उच्चायुक्त जे.पी. सिंह, और नौसेना सलाहकार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को इस तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा था। इन घटनाओं में लगातार पीछा करना, सुरक्षाकर्मियों से पूछताछ करना और फर्जी फोन कॉल करना जैसी हरकतें शामिल थीं। द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों को परेशान करने की 19 घटनाएं हुईं। राजनयिकों के उत्पीड़न में इस बढ़ोतरी के बाद भारतीय उच्चायोग ने यह मुद्दा पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के सामने उठाया था।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़; 5 गिरफ्तार

- पुलिस मुठभेड़ में एक घायल

चंडीगढ़. पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (BKI) के आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस मामले में राजस्थान से 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में से एक को जब बरामदगी के लिए ले जाया जा रहा था तभी उसकी पुलिस से मुठभेड़ हो गई, जिसमें वह पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि बीकेआई के इस आंतकी मॉड्यूल ने शहीद भगत सिंह नगर में शराब की दुकान पर हमले की साजिश रची थी और इन्हें स्वतंत्रता दिवस के दिन ऐसे ही हमलों का काम भी दिया गया था।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक शख्स घायल

डीजीपी के अनुसार, आरोपियों को विदेश स्थित जीशान अख्तर और बब्बर खालसा इंटरनेशनल के सरगना मनु अगवान से सीधे निर्देश मिल रहे थे। अगवान पाकिस्तान स्थित बीकेआई के हरविंदर रिंदा के साथ मिलकर काम कर रहा है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में उस समय घायल हो गया, जब उसे बरामदगी के लिए ले जाया जा रहा था। उसने पुलिस पर गोलियां चला दीं और जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। यादव ने बताया कि एसबीएस नगर के सरकारी अस्पताल में घायल का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एसबीएस नगर स्थित नवांशहर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस ने उनके पास से एक हथगोला और एक .30 बोर की पिस्तौल, दो कारतूस और .30 बोर के 2 खाली खोखे बरामद किए। गौरव यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कामयाबी में जालंधर की काउंटर इंटेलिजेंस ने एसबीएस नगर पुलिस के साथ मिलकर बीकेआई के आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश किया। यह आतंकी नेटवर्क पाकिस्तान स्थित बीकेआई के हरविंदर रिंदा के इशारे पर विदेशी आकाओं मनु अगवान, गोपी नवाशहरिया और जीशान अख्तर द्वारा संचालित किया जा रहा था। राजस्थान के टोंक और जयपुर जिलों से पांच गुर्गों को गिरफ्तार किया गया और उनकी भविष्य के हमलों की साजिश को नाकाम कर दिया।'

संक्षेप...

रक्षा बंधन पवित्रता और प्रेम का प्रतीक : वर्षा दीदी

मुलुंड. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी द्वारा रक्षा बंधन का पर्व मुलुंड पश्चिम स्थित शिव वरदानी भवन में धूमधाम के साथ मनाया गया इस दौरान ब्रह्मकुमारी बहनों ने मुलुंड पुलिस स्टेशन के एसीपी संदीप मोरे, पुलिस निरीक्षक अजय जोशी, मनपा अग्रवाल अस्पताल के सीएमओ राजू सिंह राठोड़ अलावा वरिष्ठ नागरिक भाइयों को भी राखी बांधकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह कार्यक्रम बीके गोदावरी दीदी के मार्गदर्शन में किया गया था। इस अवसर पर बीके वर्षा दीदी ने कहा कि यह रक्षा बंधन का पर्व धागों का त्यौहार है जो पवित्रता और प्रेम का प्रतीक है । उन्होंने तिलक के बारे में भी मार्गदर्शन किया और कहा कि यह प्रेम का धागा उमंग और उत्साह का डोर है। इस मौके पर ब्रह्म कुमारी वर्षा दीदी, सविता दीदी, प्रवीणा दीदी ,सरिता दीदी, उर्वशी दीदी समेत अन्य ब्रह्म कुमारी की बहनों ने राखी बांध कर और मिठाई खिलाकर भाई बहन के इस पवित्र पर्व की शुभकामनायें दी।

डबल मर्डर से दहला भिवंडी का खरडी गांव

- भाजपा युवा मोर्चा उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तांगड़ी की हत्या
- व्यावसायिक विवाद में ले ली जान

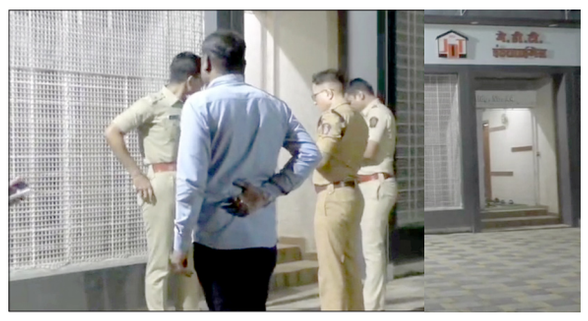

भिवंडी. भिवंडी तालुका के खरबाओ-चिंचोटी रोड पर स्थित खरडी गाँव में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है जहाँ दो युवकों पर घातक हथियारों से हमला कर उनकी हत्या कर दी गई। हमले में मारे गए युवकों के नाम प्रफुल्ल तांगड़ी और तेजस तांगड़ी हैं। प्रफुल्ल तांगड़ी एक रियल एस्टेट व्यवसायी हैं और भाजपा जनता युवा मोर्चा ठाणे ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष के पद पर कार्यरत थे।

पुलिस के अनुसार, सोमवार रात प्रफुल्ल खरडी गाँव में अपने सहकर्मी तेजस के घर से कुछ दूरी पर स्थित जेडीटी एंटरप्राइजेज स्थित अपने कार्यालय में बैठे थे। रात करीब 11 बजे दोनों घर के लिए निकल रहे थे, तभी घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन पर घातक हथियारों से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और शव को पोस्टमार्टम के लिए स्वर्गीय इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल लाए जाने के बाद विधायक महेश चौघुले, शिवसेना नेता संतोष शेट्टी और ग्रामीण परिवार के सदस्य वहां पहुंचे।

पुलिस अधीक्षक डॉ. डीएस स्वामी समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। घटनास्थल से सीसीटीवी और अन्य साक्ष्य एकत्र किए गए और पंचनामा बनाया गया। प्रफुल्ल तांगड़ी पर पहले भी हमले की कोशिश की गई थी। बताया जा रहा है कि यह हमला व्यापारिक कारणों से किया गया था और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस नृशंस हत्या के बाद खरडी गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। स्थानीय पुलिस के साथ-साथ राज्य रिजर्व बल और दंगा नियंत्रण दस्ते को गांव में तैनात कर दिया गया है। पुलिस द्वारा कार्रवाई का वादा करने के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया. मृतक प्रफुल्ल तांगड़ी के चचेरे भाई उमेश तांगड़ी ने विक्की म्हात्रे, जितेश गवली और उसके साथियों पर व्यावसायिक हितों के चलते हत्या करने का आरोप लगाया है। विक्की म्हात्रे पर हर बार सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा का समर्थन मिलने का आरोप लगता रहा है। मृतक प्रफुल्ल तांगड़ी इलाके में जमीन बेचने और विकसित करने के धंधे में फल-फूल रहा था। यह विरोधियों को बर्दाश्त नहीं हुआ. उन्होंने पहले भी दो बार उन पर हमला करने की कोशिश की थी। 2022 में जब उन्होंने गोलियां चलाईं, तो प्रफुल्ल जनार्दन तांगड़ी की जगह प्रफुल्ल बलराम तांगड़ी घायल हो गए। इस बीच, मुख्य आरोपी विक्की म्हात्रे के खिलाफ भिवंडी और वसई पुलिस थानों में मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन उमेश तांगड़ी ने आरोप लगाया है कि राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण पुलिस ने हर बार उसे बचा लिया। जब तक आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार नहीं किया जाता और मकोका के तहत कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक शव को कब्जे में नहीं लेंगे. इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक राहुल झाल्टे, भिवंडी तालुका पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हर्षवर्धन बर्वे ने आश्वासन दिया कि सभी आरोपियों को हिरासत में लिया जाएगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल में भाजपा जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश पाटिल, सुमित पाटिल, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीलेश गुरव, श्रीधर पाटिल ने परिवार को समझाने की कोशिश की। इसके बाद परिजनों ने शव को कब्जे में ले लिया.

12 लोगों पर मामला दाखिल

इस बीच, उमेश तांगड़ी द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने भिवंडी तालुका पुलिस स्टेशन में विकी भरत म्हात्रे,कल्पेश रामदास वैती,अजय सुरेश तांगडी, महेंद्र नामदेव तांगडी, दयानंद नामदेव तांगडी,सुनिल सुभाष भोईर, प्रसाद गजानन तांगडी, मोहन बाळकष्ण तांगडी,नऊस नरेश नांदुरकर, विजय एकनाथ मुकादम, रवींद्र एकनाथ मुकादम व जितेश मधुसुदन गवळी कुल 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

सांसद बाल्या मामा पर उठ रही उंगलियां....!

भाजपा जनता युवा मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश के उपाध्यक्ष देवेश पाटिल ने कहा है कि हमने अपने भाजपा परिवार से एक व्यक्ति को खो दिया है। हम सभी कार्यकर्ता भाई-भाई की तरह मिलजुल कर रह रहे थे। प्रफुल्ल तांगड़ी सामाजिक कार्यों के माध्यम से राजनीति और व्यवसाय से जुड़े थे। किसी भी घटना के बाद वह कानूनी रास्ता अपनाते थे। उनके साथ यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है। हमने पुलिस से मांग की है कि इसमें जो भी दोषी है, जिसने भी राजनीतिक साजिश रची है, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए. उन्होंने आगे कहा कि हमें न्याय देवता पर भरोसा है। हमने पुलिस के साथ-साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मांग की है। परिवार के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि सांसद बाल्या मामा आरोपियों का समर्थन कर रहे हैं, देवेश पाटिल ने कहा कि हम किसी का नाम लेकर उन्हें बड़ा नहीं बनाना चाहते। उन्होंने सांसद बाल्या मामा का नाम लिए बिना बयान दिया है कि उन्हें दूसरे लोगों को मारने की आदत है।

गोविंदा की टीम 25 लाख रुपये के इनाम के साथ विश्व रिकॉर्ड तोड़ेगी

ठाणे. हर साल की तरह इस साल भी 'संस्कृति की दहीहांडी' उत्सव उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस साल पहले नौ लेयर वाली गोविंदा टीम को 11 लाख रुपये का इनाम और एक आकर्षक सम्मान चिह्न प्रदान किया जाएगा। 16 अगस्त 2025 को सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक, ठाणे मनपा क्रमांक 44, वर्तकनगर में संस्कृति दहीहांडी उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस दहीहांडी में कलाकार और राजनेता भी मौजूद रहेंगे।संस्कृति की विश्व रिकॉर्ड दहीहांडी का आयोजन ठाणे के वर्तक नगर में किया गया है, जिसे दहीहांडी उत्सव के पंढरी के नाम से जाना जाता है। पहले 9 लेयर बनने के बाद, 9 लेयर बनाने वाली गोविंदा टीम को 5 लाख रुपये और एक आकर्षक ट्रॉफी, 8 लेयर बनाने वाली गोविंदा टीम को 25 हज़ार रुपये और एक आकर्षक ट्रॉफी, 7 लेयर बनाने वाली गोविंदा टीम को 15 हज़ार रुपये और एक मेडल, 6 लेयर बनाने वाली गोविंदा टीम को 10 हज़ार रुपये और एक मेडल, 5 लेयर बनाने वाली गोविंदा टीम को 5 हज़ार रुपये और एक मेडल, और मुंबई व ठाणे की महिला गोविंदा टीम को भी विशेष सम्मान दिया जाएगा और उनके लिए एक विशेष पुरस्कार रखा गया है। इस साल बॉलीवुड की फिल्म शोले ने 50 साल पूरे कर लिए हैं, इसी उपलक्ष्य में संस्कृति दही हांडी उत्सव फिल्म 'शोले' की 'स्वर्ण जयंती' मनाएगा।

ठाणे में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के संस्कृति युवा प्रतिष्ठान ने इस साल विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाली गोविंदा टीम को 25 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

शिवसेना प्रमुख हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे और गुरुवर्य स्वर्गीय आनंद दिघे साहब ने दही हांडी उत्सव को बड़े उत्साह से मनाने की शुरुआत की थी। उनकी परंपरा को शिवसेना के प्रमुख नेता एकनाथजी शिंदे और हम शिवसैनिक आगे बढ़ा रहे हैं। इस वर्ष प्रो गोविंदा सीज़न 3 भी बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। प्रो गोविंदा का उद्देश्य गोविंदा के खेल को मिट्टी से चटाई तक ले जाना और दुर्घटनाओं के मौसम को रोकना है। राज्य सरकार ने हमारे गोविंदा को एक खेल आयोजन का दर्जा दिया है। मुझे गर्व है कि हमारा दही हांडी उत्सव दिन-प्रतिदिन वैश्विक होता जा रहा है परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा।

युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक ने बताया कि इस दही हांडी उत्सव में 111 स्पेनिश कलाकार भाग लेंगे और मानव पिरामिड प्रस्तुत करेंगे। हमारी संस्कृति का साझा प्रदर्शन होगा।

इस अवसर पर बार्सिलोना के विला फ्रांका से विश्व रिकॉर्ड विजेता मानवी मनोरा संघ के प्रतिनिधि टोनी, अन्ना, बाला पडेलकर, गीता जगाड़े, महाराष्ट्र गोविंदा संघ के अभिषेक सुर्वे, शिवसेना विभाग प्रमुख रवि घरात और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बम-बम भोले से गूंजी भिवंडी

- रामेश्वर मंदिर में पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने की आरती

भिवंडी. भिवंडी में श्रावण माह के तीसरे सोमवार के दिन भिवंडी शहर के तमाम शिवमन्दिरों में भक्तों द्वारा बम-बम भोले,जय शिवशंकर के उद्घोष के साथ रुद्राभिषेक, जलाभिषेक, पूजा,आरती की गई. घूंघट नगर काप आली स्थित प्राचीन श्री रामेश्वर मंदिर में भिवंडी पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने शिवशंकर की पूजा, जलाभिषेक, आरती कर परिजन सहित शहर की खुशहाली, शांति की प्रार्थना की.उक्त अवसर पर श्री रामेश्वर मंदिर प्रमुख ट्रस्टी अशोक कुमार फड़तरे, शिवसेना वरिष्ठ नेता विश्वास थले, बीएनएन कॉलेज उप प्राचार्य देवीदास अहीरे, डा नूतन मोकाशी, समाजसेवक भूषण रोकड़े, पप्पू धवड़े,बबलू श्रीवास्तव सहित भारी तादाद में पुरुष,महिला एवं शहर के गणमान्य शिवभक्तों का समूह आरती में शामिल हुआ.भोले बाबा की आरती के उपरांत मंदिर के पंडित द्वारा तमाम भक्तजनों को प्रसाद प्रदान किया गया. श्रावण मास की शुरुआत से ही श्री रामेश्वर मंदिर में प्रतिदिन शिवभक्तों की भारी भीड़ पूजा, आरती जलाभिषेक आदि धार्मिक पूजन के लिए उमड़ रही है. मंदिर प्रबंधन प्रमुख ट्रस्टी अशोककुमार फड़तरे एवं शिव भक्त मंडली द्वारा शिवभक्तों की सुविधा हेतु आवश्यक उपाय नियोजन किया गया है.श्री रामेश्वर मंदिर परिसर की स्वच्छता, शौचालय, पानी सुलभता, लाइटिंग आदि जरूरी कार्य प्रमुखता से अंजाम दिए गए हैं.

अंगारकी संकष्टी चतुर्थी का भव्य आयोजन

मुंबई. कुर्ला पश्चिम स्टेशन के पास स्थित श्री जागृत विनायक मंदिर ट्रस्ट द्वारा अंगारकी संकष्टी चतुर्थी बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। तड़के से ही मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लग गई थीं। सुबह और शाम विशेष पूजन एवं आरती का आयोजन किया गया। पूरे दिन गणपति बाप्पा के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

इस अवसर पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, मनोज नाथानी, चेतन कोरगांवकर और आदित्य शुक्ला ने गणराय के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मंदिर में आए सभी भक्तों का ट्रस्ट की ओर से गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

स्वागत समिति में रत्नाकर शेट्टी, सुभाष गुप्ता, दिवाकर शेट्टी, अशोक शेट्टी, दिलीप मोटवानी और गणेश शेट्टी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भक्तों को प्रसाद वितरण, दर्शन की सुव्यवस्था और पूजन कार्यक्रमों में भी उनका सक्रिय योगदान रहा।

मंदिर परिसर को फूलों की सजावट, दीपों की रोशनी और मंगल वादन से सजाया गया था। स्थानीय निवासियों के साथ-साथ दूर-दराज़ से आए श्रद्धालुओं ने भी यहां पहुंचकर अंगारकी संकष्टी चतुर्थी का आनंद लिया। आयोजन की सफलता के लिए मंदिर ट्रस्ट पदाधिकारियों के साथ कई स्वयंसेवकों ने मेहनत की।

घर-घर तिरंगा अभियान के तहत मनपा मुख्यालय में हस्ताक्षर बोर्ड और सेल्फी स्टैंड

ठाणे. स्वतंत्रता दिवस की पृष्ठभूमि में देश भर में चलाए जा रहे घर-घर तिरंगा 2025 अभियान के तहत ठाणे मनपा मुख्यालय में एक तिरंगा प्रतिज्ञा हस्ताक्षर बोर्ड और एक तिरंगा सेल्फी स्टैंड स्थापित किया गया है।इन दोनों का उद्घाटन मंगलवार को ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने हस्ताक्षर करके और तस्वीरें लेकर किया।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, मनपा के अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी और अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे ने भी इस तिरंगा प्रतिज्ञा हस्ताक्षर बोर्ड पर हस्ताक्षर किए।ठाणे मनपा ने घर-घर तिरंगा 2025 अभियान के तहत 15 अगस्त तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया है। मैराथन प्रतियोगिता में तिरंगा प्रतिज्ञा भी ली गई। इस दौरान, मनपा आयुक्त सौरभ राव ने बताया कि स्वच्छता अभियान, मनपा स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रम और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

मनपा मुख्यालय के भूतल पर तिरंगा प्रतिज्ञा हस्ताक्षर बोर्ड और तिरंगा सेल्फी स्टैंड स्थापित किया गया है। सहायक निदेशक नगर नियोजन संग्राम कनाडे, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी दिलीप सूर्यवंशी, उपायुक्त जी. जी. गोदेपुरे, मनीष जोशी, उमेश बिरारी ने भी तिरंगा प्रतिज्ञा साइन बोर्ड पर हस्ताक्षर किए।

दस्तावेज के प्रारूप के बारे में आक्षेपों का कथन करने के लिए सूचना

(आदेश 21 नियम 34)

अज न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश संख्या 1 अलवर

1. बाबूसिंह पुत्र केवलसिंह निवासी ग्राम लिवारी मृतक जरिये वारिसान मु० लाडकी बाई बेवा बाबूसिंह व अन्य **- डिकीदारान**

(बनाम)

1. पम्मी कौर बेवा अर्जुनसिंह व अन्य **-- मदयूनान**

प्रार्थना पत्र बाबत इजराय

Ex 36/12/23
पेशी-27/8/25

प्रेषितिः-

1. पम्पीकौर बेवा अर्जुनसिंह (2) मस्कीन पुत्र अर्जुनसिंह (3) बादलसिंह पुत्र अर्जुनसिंह हाल निवासीयान चाल नम्बर 55/11, आकाश कॉलोनी उल्लहास नगर, जिला ठाणे महाराष्ट्र (4) श्रीमती शकुन्तला कौर पुत्री अर्जुनसिंह पत्नी मोहनसिंह हाल निवासी बंगाला नम्बर 1. श्री सांई, आशिष बंगालाज, प्लॉट नम्बर 6, सर्वे नम्बर 86, नियर शिवमंदिर रोड, अम्बरनाथ जिला ठाणे, महाराष्ट्र
5. शेरसिंह पुत्र अर्जुनसिंह मृतक जरिये वारिसान

5/1. पारीकौर पत्नी स्व० श्री शेरसिंह 5/2 गुरतेजसिंह पुत्र स्व० श्री शेरसिंह 5/3 गजराजसिंह पुत्र स्व० श्री शेरसिंह 5/4 दर्शनसिंह पुत्र स्व० शेरसिंह 5/5 जसप्रीत कौर पुत्री स्व० श्री शेरसिंह निवासीयान चाल नम्बर 55/11, आकाश कॉलोनी, उल्लहास नगर, जिला ठाणे महाराष्ट्र

6. दिलीपसिंह पुत्र अर्जुनसिंह हाल निवासी चाल नम्बर 55/11, आकाश कॉलोनी, उल्लहास नगर, जिला ठाणे महाराष्ट्र
7. श्रीमती कंचन कौर पुत्री अर्जुनसिंह पत्नी गुरमीतसिंह हाल निवासी मोरी चार बाग, खारा कुआं, जिला भरतपुर
8. नानकसिंह पुत्र नेणुसिंह हाल निवासी प्लॉट संख्या 36 रामनगर, दारू गौदाम के पीछे, 60 फुट रोड, अलवर

आपको यह सूचना दी जाती है कि दिनांक 1.8.25 को डिकिदारान ने उक्त वाद में इस न्यायालय के समक्ष यह आवेदन उप स्थापित किया था कि न्यायालय इसमें नीचे विनिर्दिष्ठ स्थावर सम्पत्ति का विकय पत्र विलेख जिसका प्रारूप इसके साथ उपाबन्ध है, आपकी ओर से निष्पादित करें। इसलिए आपके नाम यह नोटिस आदेश 21 नियम 34 जाप्ता दीवानी जारी किया जाता है कि दिनांक 27/8/25 को उक्त आवेदन की सुनवाई के लिए नियत है और आप उक्त दिनांक को उप संजात होने के लिए और उस प्रारूप के विरूद्ध आक्षेप लिखित रूप से देने के लिए स्वतंत्र है।

सम्पत्ति का विवरणः-

आराजी खसरा नम्बर 726 रकबा 0.35 है० वाके ग्राम लिवारी तहसील अलवर में स्थित एक बीघा 6 बिस्वा है।

आज दिनांक 12 माह 8 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर न्यायालय से जारी किया गया।

मोहर न्यायालय

हस्ताक्षर
अपर जिला न्यायाधीश
सं. 1 अलवर (राज०)

धनुष से अफेयर की खबरों पर मृणाल ठाकुर की सफाई

- कहा- वो मेरे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं
- अजय देवगन ने उन्हें स्क्रीनिंग में बुलाया था

बीते कुछ दिनों से साउथ सुपरस्टार धनुष और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर के अफेयर की चर्चा सुर्खियों में हैं। धनुष को फिल्म सन ऑफ सरदार 2 की स्क्रीनिंग में भी देखा गया था। लंबी सुर्खियों के बाद अब एक्ट्रेस ने धनुष से रिश्ते पर सफाई दी है।

मृणाल ठाकुर ने हाल ही में ऑनली कॉलीवुड को दिए एक इंटरव्यू में धनुष पर कहा है, धनुष सिर्फ मेरे अच्छे दोस्त हैं। मैं जानती हूं कि हम दोनों के साथ होने के बारे में कई तरह की न्यूज फैलाई जा रही हैं। मैंने जब उन्हें देखो तो मुझे ये काफी फनी लगीं।

धनुष के सन ऑफ सरदार 2 की स्क्रीनिंग अटेंड करने से डेटिंग की चर्चा बढ़ी थीं। अब एक्ट्रेस ने इस पर कहा, धनुष सन ऑफ सरदार 2 की स्क्रीनिंग में आए थे, किसी को भी इसे गलत नहीं समझना चाहिए। अजय देवगन ने उन्हें इनवाइट किया था।

बताते चलें कि धनुष ने साल 2004 में रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत से शादी की थी। इस शादी से कपल को दो बेटे यात्रा और लिंगा हैं। कपल ने 2022 में तलाक की अनाउंसमेंट की थी, जिसके बाद 2024 आधिकारिक तौर पर तलाक ले चुके हैं। धनुष जल्द ही साउथ फिल्म इडली कढ़ई और हिंदी फिल्म तेरे इश्क में नजर आने वाले हैं।

वहीं मृणाल ठाकुर की बात करें तो वो सन ऑफ सरदार 2 के बाद है जवानी तो इश्क होना है, तुम हो तो और पूजा मेरी जान जैसी फिल्मों का हिस्सा हैं।

ये भी बता दें कि धनुष से पहले मृणाल ठाकुर का नाम पॉपुलर सिंगर और रैपर बादशाह और एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी से भी जोड़ा जा चुका है।

भर्ती प्रकोष्ठ का मनपा आयुक्त सौरभ राव ने किया निरीक्षण

ठाणे. मनपा में ग्रुप-'सी' और ग्रुप-'डी' के रिक्त पदों को प्रत्यक्ष सेवा प्रवेश के माध्यम से भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए ठाणे मनपा मुख्यालय में एक भर्ती प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने मंगलवार को इस प्रकोष्ठ का निरीक्षण किया।भर्ती प्रक्रिया को निर्देशित करने के लिए एक हेल्पलाइन शुरू की गई है। इस हेल्पलाइन की योजना इसी प्रकोष्ठ से बनाई जा रही है। हेल्पलाइन पर आने वाले कॉल्स का विस्तृत उत्तर देने, उनका रिकॉर्ड रखने और ईमेल पर प्राप्त प्रश्नों का तुरंत उत्तर देने का काम इसी प्रकोष्ठ से किया जा रहा है। निरीक्षण के बाद, आयुक्त सौरभ राव ने सुझाव दिया कि हेल्पलाइन पर संपर्क करने वालों को उचित जानकारी दी जानी चाहिए। इस निरीक्षण के दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी, अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, उपायुक्त (मुख्यालय) जी. जी. गोदेपुरे, महिला एवं बाल विकास अधिकारी दयानंद गुंडप आदि उपस्थित थे। मनपा में ग्रुप-'सी' और ग्रुप-'डी' के रिक्त पदों को सीधी भर्ती द्वारा भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रशासनिक सेवा, लेखा सेवा, तकनीकी सेवा, अग्निशमन सेवा, शिक्षा सेवा, लोक स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा सेवा, पैरामेडिकल सेवा आदि के कुल 1773 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए 02 सितंबर, 2025 तक केवल ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। इसका लिंक ठाणे मनपा की वेबसाइट www.thanecity.gov.in पर उपलब्ध करा दिया गया है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099